

② Application of Anodic, Cathodic and organic inhibitors :-

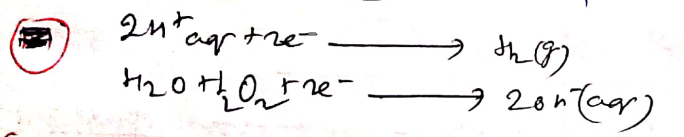
Electrolytic, Electrolytic and organic inhibitors :-

(I) Anodic inhibitors (Electrolytic inhibitors) :-

जब धातुओं के वातावरण में फ्लोरोइड, क्रोमेट, ऑक्सीडोसिलिकेट का रखा जाता है तो धातुओं का संरक्षण कम हो जाता है।

(II) Cathodic inhibitors (Electrolytic inhibitors)

कॉपर जल में उपस्थित कैल्शियम वाइकार्बोनेट इसके अलावा मैग्नीशियम निकिल तथा जिंक के लक्षणों के लक्षणों में रूखे धातुओं का संरक्षण कम हो जाता है।



(III) Vapor Phase inhibitors :- (वाष्प अवस्था अवरोधक)

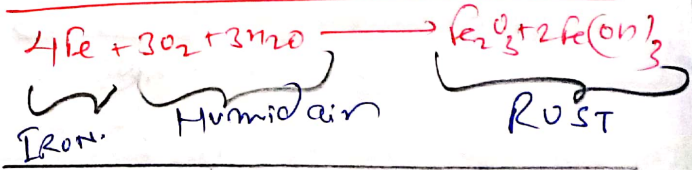
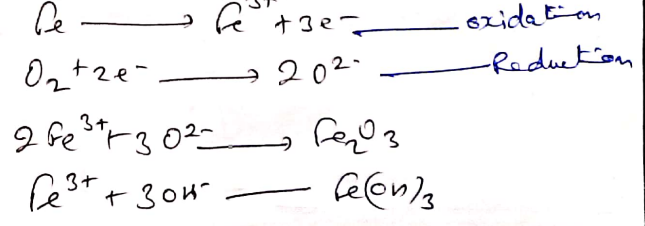
वाष्पीकृत पदार्थ जैसे अमीन (Amines) कार्बोनिक नाइट्राइड और द्विदिहाइड्रिक पदार्थ अपने वातावरण में उपस्थित धातुओं को संरक्षण नहीं देते हैं।

अन्य लक्षणियाँ :- Other Short notes

वर्ण विकृति :- (TARNISHING) धातुओं में वर्ण विकृति वातावरण में उपस्थित होती है।

जहाँ निरक्षर - Cont -> जहाँ SO₂, SO₂ H₂S धातु के लक्षण होते हैं। कार्बन पर इन तीनों के लक्षण कथपक्ष सामान्य (Lust) की परत बन जाती है, जिससे धातु की धातु की लक्षणों को छुं चली है।

जंग लगना (RUSTING) :- जब लोहा (Fe) आर्सेन तथा कार्बन की उपस्थिति में लोहा लक्षण तक रखा है तो उस पर जंग लगना प्रारंभ हो जाता है। छोटे स्तर पर लाल-नांगरी जड़क जमा होना लग जाता है। जंग Fe(III) के ऑक्साइड Fe₂O₃ तथा Fe(OH)₃ के हाइड्रॉक्साइड का (Fe(OH)₃) का मिश्रण है।



END